



दैनिक जागरण



दैनिक भास्कर



जनसत्ता

Party

CURRENT AFFAIRS

IAS/PCS

अब होगी करंट अफेयर्स की राह आसान

16 January



Quote of the Day



जिद चाहिए कुछ **हासिल**
करने की,
वरना **उम्मीद** लगाकर तो
हर कोई बैठा है..!!



एंडी टैंक मिसाइल नावा MK-2 का सफल परीक्षण





- ▶ भारत ने हाल ही में स्वदेशी रूप से विकसित तीसरी पीढ़ी की एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल 'नाग एमके-2' का सफल परीक्षण किया है।
- ▶ यह परीक्षण राजस्थान के पोखरण फील्ड रेंज में किया गया, जहां मिसाइल ने अपने सभी लक्ष्यों को सफलतापूर्वक नष्ट किया।





- ▶ रक्षा मंत्रालय के अनुसार, नाग एमके-2 मिसाइल 'फायर-एंड-फॉरगेट' तकनीक पर आधारित है, जो इसे दुश्मन के टैंकों और बख्तरबंद वाहनों को सटीकता से नष्ट करने में सक्षम बनाती है। इसकी मारक क्षमता 10 किलोमीटर तक है, जिससे यह भारतीय सेना की ताकत में महत्वपूर्ण वृद्धि करेगी।
- ▶ इस सफल परीक्षण के बाद, नाग एमके-2 मिसाइल के भारतीय सेना में शामिल होने का मार्ग प्रशस्त हो गया है, जिससे देश की रक्षा प्रणाली और मजबूत होगी।

दाजो और मूल जात्रो

नाग MK 2 मिसाइल (Nag Mk 2 Missile)

- स्वदेशी विकास: नाग MK 2 भारत के एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम (Integrated Guided Missile Development Programme-IGMDP) के तहत DRDO द्वारा विकसित तीसरी पीढ़ी की एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल है।
- फायर-एंड-फॉरगेट तकनीक: मिसाइल स्वतंत्र रूप से अपने लक्ष्य को ट्रैक करती है और उसे निष्क्रिय करती है।



नाग MK 2 मिसाइल (Nag Mk 2 Missile)

- रेंज में वृद्धि: मिसाइल की ऑपरेशनल रेंज 7 से 10 किलोमीटर है, जो पहले के नाग MK 1 वैरिएंट की 4 किलोमीटर रेंज से बेहतर है।
- कवच के विरुद्ध बहुमुखी प्रतिभा: यह विस्फोटक प्रतिक्रियाशील कवच (Explosive Reactive Armour-ERA) से लैस आधुनिक बख्तरबंद वाहनों को बेअसर कर सकता है, जिससे उन्नत युद्धक्षेत्र खतरों से निपटने की प्रभावशीलता सुनिश्चित होती है।



नाग MK 2 मिसाइल (Nag Mk 2 Missile)

- प्लेटफॉर्म एकीकरण: नाग मिसाइल कैरियर (Nag Missile Carrier- NAMICA) के साथ सफलतापूर्वक एकीकृत, हथियार प्रणाली के लिए बड़ी हुई गतिशीलता और तैनाती संबंधी लचीलापन प्रदान करता है।



फायर-एंड-फॉरगेट मिसाइलों के बारे में

परिभाषा:

- फायर-एंड-फॉरगेट मिसाइलें उन्नत मार्गदर्शन प्रणालियों का उपयोग करती हैं, जिन्हें लॉन्च के बाद ऑपरेटर से किसी और हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं होती है, जिससे सुरक्षित और अधिक कुशल युद्ध संचालन संभव हो जाता है।



फायर-एंड-फॉरगेट मिसाइलों के बारे में

भारत में उदाहरण

- नाग MK 2: फायर-एंड-फॉरगेट तकनीक वाली अत्याधुनिक एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल।
- अस्त्र (Astra): भारत की हवा-से-हवा में मार करने वाली मिसाइल जिसे दृश्य-सीमा से परे के अटैक के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें फायर-एंड-फॉरगेट क्षमता है।
- ब्रह्मोस (BrahMos): एक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, जो सटीक हमले के लिए फायर-एंड-फॉरगेट सिद्धांत का प्रयोग करती है।



फायर-एंड-फॉरगेट मिसाइलों के बारे में

भारत में उदाहरण

- नाग MK 2: फायर-एंड-फॉरगेट तकनीक वाली अत्याधुनिक एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल।
- अस्त्र (Astra): भारत की हवा-से-हवा में मार करने वाली मिसाइल जिसे दृश्य-सीमा से परे के अटैक के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें फायर-एंड-फॉरगेट क्षमता है।
- ब्रह्मोस (BrahMos): एक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, जो सटीक हमले के लिए फायर-एंड-फॉरगेट सिद्धांत का प्रयोग करती है।



फायर-एंड-फॉरगेट मिसाइलों के बारे में

नाग MK 2 का महत्त्व

- स्वदेशी रक्षा क्षमता को बढ़ावा: रक्षा प्रौद्योगिकी में भारत की आत्मनिर्भरता में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि को दर्शाता है।
- परिचालन तत्परता में वृद्धि: भारतीय सेना में शामिल होने की तत्परता इसकी कवच-रोधी क्षमताओं को मजबूत करती है।



फायर-एंड-फॉरगेट मिसाइलों के बारे में

नाग MK 2 का महत्त्व

- विरोधियों के लिए निवारक: पाकिस्तान और चीन के साथ संवेदनशील सीमाओं पर भारत की सैन्य शक्ति को बढ़ाता है, संभावित खतरों के खिलाफ निवारक के रूप में कार्य करता है।
- आधुनिक युद्ध के लिए समर्थन: मिसाइल की सटीकता, गतिशीलता और NAMICA के साथ संगतता इसे आधुनिक युद्ध के परिदृश्यों के लिए एक महत्त्वपूर्ण संपत्ति बनाती है।



CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और सही उत्तर का चयन करें:

1. 'नाग एमके-2' एक तीसरी पीढ़ी की एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल है, जो स्वदेशी रूप से विकसित की गई है।
2. नाग एमके-2 मिसाइल की रेंज 4 किलोमीटर है।
3. नाग एमके-2 मिसाइल 'फायर-एंड-फॉरगेट' तकनीक पर आधारित है, जो इसे दृष्टमन के टैंकों और बख्तरबंद वाहनों को सटीकता से नष्ट करने में सक्षम बनाती है।
4. नाग एमके-2 मिसाइल की ऑपरेशनल रेंज 7 से 10 किलोमीटर है, जो पहले के नाग MK 1 वैरिएंट की रेंज से बेहतर है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

- (A) केवल 1, 3 और 4 सही हैं
- (B) केवल 1, 2 और 3 सही हैं
- (C) केवल 1 और 4 सही हैं
- (D) 1, 2, 3 और 4 सभी सही हैं



फैज अहमद किदवाई नागरिक उद्योग महानिदेशालय के महानिदेशक नियुक्त





- ▶ वरिष्ठ आईएएस अधिकारी फैज़ अहमद किदवई को नागरिक उड्यन महानिदेशालय (DGCA) का नया महानिदेशक नियुक्त किया गया है। मध्य प्रदेश कैडर के 1996 बैच के अधिकारी किदवई वर्तमान में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव के पद पर कार्यरत थे।





- ▶ कैबिनेट की नियुक्ति समिति (ACC) ने 3 जनवरी 2025 को उनकी नियुक्ति की घोषणा की। इससे पहले, DGCA के महानिदेशक का पद विक्रम देव दत्त के कोयला मंत्रालय में सचिव नियुक्त होने के बाद से रिक्त था, और संयुक्त महानिदेशक दिनेश चंद शर्मा अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे थे।



- ▶ किदवई की नियुक्ति के साथ, DGCA को एक स्थायी प्रमुख मिल गया है, जो भारत में नागरिक उड्डयन की सुरक्षा, संरक्षा और परिचालन मानकों को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।
- ▶ नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) भारत सरकार का एक स्वायत्त संस्थान है. यह नागरिक विमानन मंत्रालय के अधीन काम करता है.

DGCA-HQ - नई दिल्ली



डीजीसीए के बारे में

- ▶ डीजीसीए, विमानन से जुड़े नियमों और नियमों का पालन सुनिश्चित करता है.
- ▶ डीजीसीए, विमानन से जुड़े दुर्घटनाओं और घटनाओं की जांच करता है.
- ▶ डीजीसीए, विमानन से जुड़े लाइसेंस जारी करता है.
- ▶ डीजीसीए, विमानन से जुड़े प्रशिक्षण का प्रबंधन करता है.



सत्यमेव जयते

Directorate General of Civil Aviation
(DGCA)



डीजीसीए के बारे में

- ▶ डीजीसीए, विमानन से जुड़े अंतरराष्ट्रीय समझौतों का पालन सुनिश्चित करता है.
- ▶ डीजीसीए, विमानन से जुड़े नियमों में संशोधन करता है.
- ▶ डीजीसीए, विमानन से जुड़ी सुरक्षा सुनिश्चित करता है.
- ▶ डीजीसीए का मुख्यालय नई दिल्ली के सफ़दरजंग विमानक्षेत्र में है.



सत्यमेव जयते

Directorate General of Civil Aviation
(DGCA)



- ▶ फैज़ अहमद किदवई, मध्य प्रदेश कैडर के 1996 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। 3 जनवरी, 2025 को उन्हें नागरिक विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) का महानिदेशक नियुक्त किया गया। इससे पहले वे कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव थे।
- ▶ उन्हें अतिरिक्त सचिव के पद और वेतनमान पर डीजीसीए का महानिदेशक नियुक्त किया गया है।



- ▶ इस नियुक्ति के लिए संबंधित पद के भर्ती नियमों को अस्थायी रूप से स्थगित किया गया है.
- ▶ डीजीसीए, भारत में नागरिक उड्डयन का सर्वोच्च नियामक निकाय है.
- ▶ यह सुरक्षा, संरक्षा, और परिचालन मानकों को सुनिश्चित करने का काम करता है.
- ▶ फ़ैज़ अहमद किदवई, मध्य प्रदेश कैडर के आईएएस अधिकारी हैं.

CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और सही उत्तर का चयन करें:

1. फैज़ अहमद किदवई को नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) का नया महानिदेशक नियुक्त किया गया है।
2. किदवई की नियुक्ति के साथ, DGCA को एक स्थायी प्रमुख मिल गया है।
3. DGCA का मुख्यालय मुंबई में स्थित है।
4. किदवई से पहले, DGCA के महानिदेशक का पद विक्रम देव दत्त के कोयला मंत्रालय में सचिव नियुक्त होने के बाद रिक्त था।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

- | | |
|------------------------------|------------------------------|
| (A) केवल 1, 2 और 4 सही हैं ✓ | (B) केवल 1, 3 और 4 सही हैं |
| (C) केवल 1 और 2 सही हैं | (D) 1, 2, 3 और 4 सभी सही हैं |



जतिघागों

गान-नगाई उत्सव - एकता और परम्परा का मणिपुरी उत्सव





- ▶ गान-नगाई उत्सव मणिपुर के जेलियांग्रोंग समुदाय का एक प्रमुख त्योहार है, जो फसल कटाई के बाद मनाया जाता है।
- ▶ इस वर्ष, यह उत्सव 13 जनवरी 2025 को सागोलबंद रामजी काबुई गांव में आयोजित किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने भाग लिया।
- ▶ उन्होंने इस अवसर पर राज्य के स्वदेशी समुदायों के बीच एकता और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर जोर दिया।





- ▶ मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया और 'ग्रीन इंपाल, ग्रीन मणिपुर' अभियान की याद दिलाई, जिसे उन्होंने 2004-05 में वन और पर्यावरण मंत्री के रूप में शुरू किया था।



- ▶ इससे पहले, 4 जनवरी 2023 को भी मणिपुर में जेलियांग्रोंग समुदाय ने गान-नगाई उत्सव मनाया था, जो राज्य के प्रमुख त्योहारों में से एक है।
- ▶ नागालैंड में भी गान-नगाई की प्लैटिनम जयंती मनाई गई, जहां तांगनाजेइलोंग खांगचू (जेलियांग्रोंग कॉलोनी) ने "अतीत का सम्मान: भविष्य को आकार देना" थीम पर कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर सांस्कृतिक नृत्य, स्वदेशी खेल, लोकगीत, एकता नृत्य और गान नगाई दावत का आयोजन किया गया।



- ▶ गान-नगाई उत्सव के दौरान पारंपरिक नृत्य, संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होता है, जो समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करते हैं। यह उत्सव समुदाय के लोगों के बीच एकता और भाईचारे की भावना को मजबूत करता है।



मणिपुर के बारे में

- ▶ मणिपुर, भारत के पूर्वोत्तर में स्थित एक राज्य है. इसकी राजधानी इंफ़ाल है.
- ▶ मणिपुर की सीमाएं उत्तर में नागालैंड, दक्षिण में मिज़ोरम, पश्चिम में असम, और पूर्व में म्यांमार से मिलती हैं.
- ▶ मणिपुर के मूल निवासी मैतै जनजाति के लोग हैं.
- ▶ मणिपुर में बांस की 55 प्रजातियां पाई जाती हैं.





मणिपुर के बारे में

- ▶ मणिपुर, भारत के सबसे बड़े बांस उत्पादक राज्यों में से एक है.
- ▶ मणिपुर में प्राचीन संरचनाएं और प्राकृतिक सुंदरता है.
- ▶ मणिपुर में कई मंदिर, युद्ध स्मारक, और प्राचीन अवशेष हैं.
- ▶ मणिपुर में धर्मों की बहुत विविधता है.



मणिपुर के बारे में

- ▶ मणिपुर में खेती-बाड़ी काफ़ी होती है.
- ▶ मणिपुर में पर्यटन उद्योग काफ़ी विकसित है.
- ▶ मणिपुर में हेइकरु हितोंगबा नाम का नाव दौड़ भी मनाई जाती है.

CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और सही उत्तर का चयन करें:

1. गान-नगाई उत्सव मणिपुर के जेलियांग्रोंग समुदाय का प्रमुख त्योहार है, जो फसल कटाई के बाद मनाया जाता है।

2. मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने गान-नगाई उत्सव के दौरान 'ग्रीन इंपाल, ग्रीन मणिपुर' अभियान की शुरुआत की।

3. गान-नगाई उत्सव के दौरान पारंपरिक नृत्य, संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होता है, जो समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करते हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

(A) केवल 1 और 3 सही हैं

(B) केवल 2 और 3 सही हैं

(C) केवल 1 और 2 सही हैं

(D) 1, 2 और 3 सभी सही हैं

1919-1929

↓ ब्रिटिश भारत
आजाद भारत

1951 के आरंभ युग



बहुउद्देशीय पोत उत्कर्ष का विमोचन





- ▶ हाल ही में, भारतीय नौसेना के लिए मेसर्स L&A शिपयार्ड द्वारा निर्मित दूसरा बहुउद्देशीय पोत (MPV) 'उत्कर्ष' L&A शिपयार्ड, कट्टुपल्ली, चेन्नई में लॉन्च किया गया।
- ▶ यह पोत भारतीय नौसेना की परिचालन क्षमताओं को मजबूत करने और स्वदेशी जहाज निर्माण के प्रयासों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।





- ▶ जहाज का नाम 'उत्कर्ष' रखा गया है, जिसका अर्थ है 'आचरण में श्रेष्ठ'। यह पोत की बहुआयामी भूमिकाओं और उद्देश्यों का प्रतीक है।
- ▶ दो बहुउद्देशीय पोतों (उत्कर्ष और समर्थक) के निर्माण के लिए रक्षा मंत्रालय और मेसर्स L&T शिपयार्ड के बीच अनुबंध किया गया था।



- ▶ यह परियोजना भारतीय नौसेना के स्वदेशी जहाज निर्माण के प्रयासों के साथ-साथ भारत सरकार की 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' पहल के दृष्टिकोण को दर्शाती है।
- ▶ यह उपलब्धि रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता और तकनीकी नवाचार में बढ़ती क्षमताओं को उजागर करती है।



विशेषताएँ



- ▶ यह पोत जहाजों को खींचने, विभिन्न लक्ष्यों को लॉन्च और रिकवर करने में सक्षम है।
- ▶ पोत मानव रहित स्वायत्त वाहनों को संचालित कर सकता है।
- ▶ यह अगली पीढ़ी के हथियारों और सेंसर के विकास के लिए एक परीक्षण प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करता है।



विशेषताएँ



- ▶ पोत समुद्री निगरानी, मानवीय सहायता और समुद्री प्रदूषण से निपटने जैसे कार्यों में भी उपयोगी है।
- ▶ सतह और हवाई संपत्तियों की लॉन्च और रिकवरी की क्षमता आदि का काम भी करेगा।



विशेषताएँ

तकनीकी विनिर्देश

- ▶ लंबाई: 107 मीटर ✓
- ▶ चौड़ाई: 18.6 मीटर ✓
- ▶ विस्थापन: 3,750 टन से अधिक
- ▶ अधिकतम गति: 15 समुद्री मील



लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) शिपयार्ड से जुड़ी कुछ खास बातें:

- ▶ एलएंडटी शिपयार्ड, भारतीय नौसेना के लिए जहाज़ बनाता है.
- ▶ एलएंडटी शिपयार्ड, तमिलनाडु के कट्टुपल्ली में है.
- ▶ एलएंडटी शिपयार्ड, आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया पहलों से जुड़ा हुआ है.
- ▶ एलएंडटी शिपयार्ड ने कई रक्षा जहाज़ों को डिज़ाइन किया है और बनाया है.



लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) शिपयार्ड से जुड़ी कुछ खास बातें:

- ▶ एलएंडटी शिपयार्ड ने बहुउद्देशीय पोत (एमपीवी) बनाए हैं.
- ▶ एलएंडटी शिपयार्ड ने कैडेट प्रशिक्षण जहाज़ बनाए हैं.
- ▶ एलएंडटी शिपयार्ड ने मॉड्यूलर फैब्रिकेशन सुविधा (एमएफ़एफ़) बनाई है.
- ▶ एलएंडटी शिपयार्ड ने एफ़एसएस (फ़ास्ट सप्लाइ शिप) बनाए हैं.

CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और सही उत्तर का चयन करें:

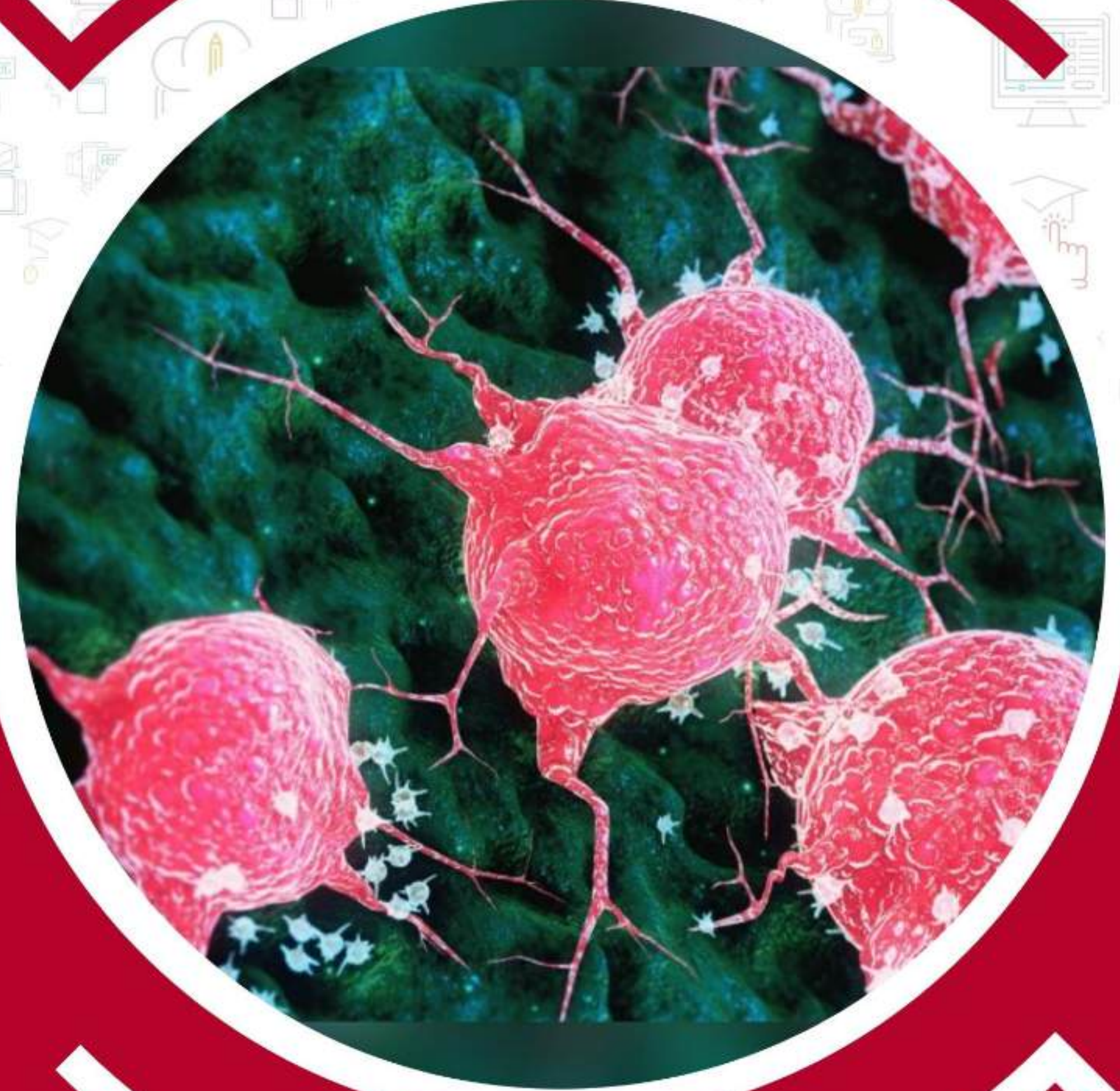
1. भारतीय नौसेना के लिए मेसर्स L&T शिपयार्ड द्वारा निर्मित दूसरा बहुउद्देश्यीय पोत 'उत्कर्ष' चेन्नई के कट्टुपल्ली में लॉन्च किया गया। ✓
2. 'उत्कर्ष' पोत को भारतीय नौसेना की परिचालन क्षमताओं को मजबूत करने और स्वदेशी जहाज निर्माण के प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। ✓
3. 'उत्कर्ष' पोत का नाम 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' पहल के साथ संबंधित नहीं है। ✓

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

- | | |
|-------------------------|---------------------------|
| (A) केवल 1 और 2 सही हैं | (B) केवल 2 और 3 सही हैं |
| (C) केवल 1 और 3 सही हैं | (D) 1, 2 और 3 सभी सही हैं |

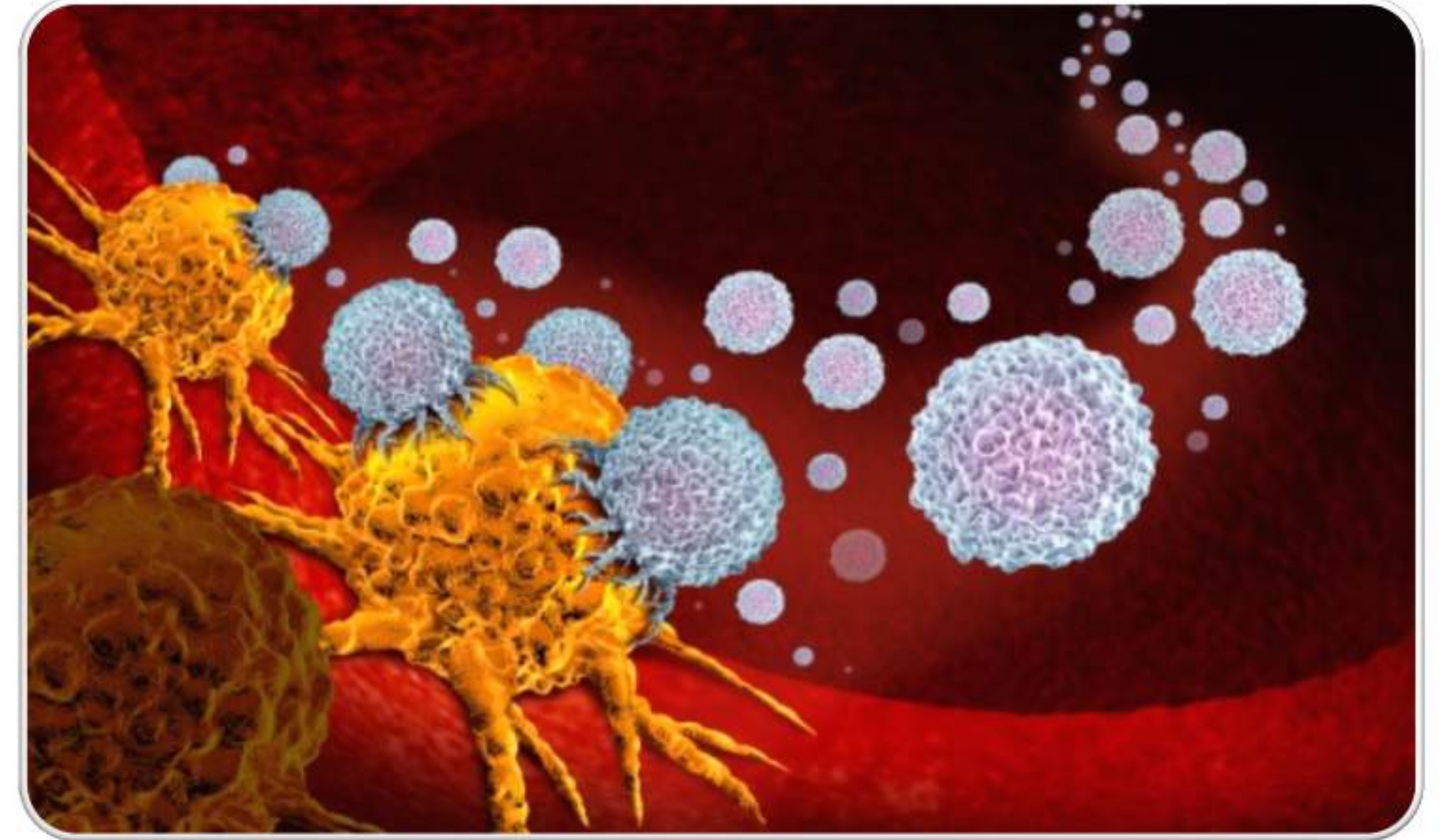


कैंसर कोशिकाओं के लिए इम्यूनोथेरेपी





- ▶ इम्यूनोथेरेपी एक आधुनिक कैंसर उपचार विधि है, जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को सशक्त बनाकर कैंसर कोशिकाओं से लड़ने में मदद करती है।
- ▶ यह उपचार कैंसर कोशिकाओं को पहचानकर उन्हें नष्ट करने के लिए इम्यून सिस्टम को प्रशिक्षित करता है, जिससे स्वस्थ कोशिकाओं को कम नुकसान होता है और मरीज की जीवन गुणवत्ता में सुधार होता है।



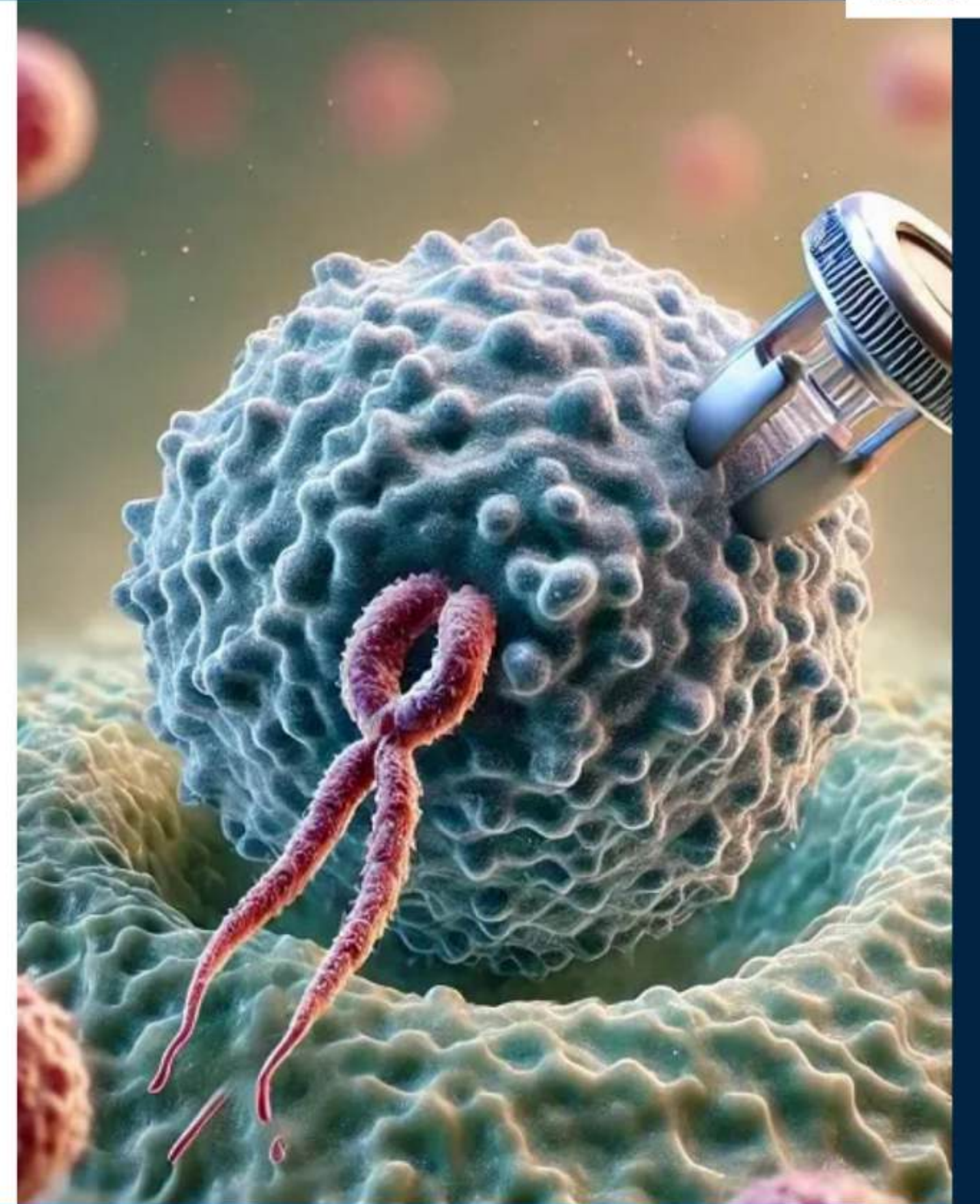
इम्यूनोथेरेपी के प्रमुख लाभ

- कैंसर कोशिकाओं को लक्षित करना: यह थेरेपी विशेष रूप से कैंसर कोशिकाओं को पहचानकर उन्हें नष्ट करती है, जिससे स्वस्थ कोशिकाओं को कम नुकसान पहुंचता है।
- स्वस्थ कोशिकाओं को कम नुकसान: पारंपरिक उपचारों की तुलना में, इम्यूनोथेरेपी स्वस्थ कोशिकाओं को कम प्रभावित करती है, जिससे साइड इफेक्ट्स कम होते हैं।
- दीर्घकालिक प्रतिरक्षा: यह उपचार लंबे समय तक प्रतिरक्षा प्रदान कर सकता है, जिससे कैंसर की पुनरावृत्ति की संभावना कम होती है।



भारत में इम्यूनोथेरेपी की स्थिति:

- भारत में कैंसर के मामलों की संख्या बढ़ रही है। 2023 में सरकार ने लोकसभा में बताया कि देश में कैंसर के 14 लाख से ज्यादा मरीज हैं, और 2022 में कैंसर से मरने वालों की संख्या 8 लाख से अधिक थी।
- दिल्ली एम्स की प्रोफेसरों की टीम ने कैंसर से पीड़ित मरीजों के लिए इम्यूनोथेरेपी विकसित की है, जिससे उन्नत चरण के मरीजों को इलाज में मदद मिलेगी।



इम्यूनोथेरेपी के साइड इफेक्ट्स:

- हालांकि इम्यूनोथेरेपी के साइड इफेक्ट्स पारंपरिक उपचारों की तुलना में कम होते हैं, फिर भी कुछ साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं, जैसे बुखार, थकान, त्वचा पर रैशेज, और फ्लू जैसे लक्षण।
- कुछ मामलों में, प्रतिरक्षा प्रणाली अत्यधिक सक्रिय हो सकती है और स्वस्थ कोशिकाओं पर हमला कर सकती है।



**SIDE
EFFECTS**

इम्यूनोथेरेपी के साइड इफेक्ट्स:

- इम्यूनोथेरेपी कैंसर उपचार में एक महत्वपूर्ण प्रगति है, जो मरीजों को नई उम्मीद देती है। यह उपचार विशेष रूप से उन मरीजों के लिए लाभदायक है, जिनके कैंसर का उन्नत चरण है और पारंपरिक उपचारों से लाभ नहीं हुआ है।
- हालांकि, इम्यूनोथेरेपी सभी प्रकार के कैंसर के लिए उपयुक्त नहीं है, इसलिए डॉक्टर की सलाह पर ही इसका चयन करना चाहिए।

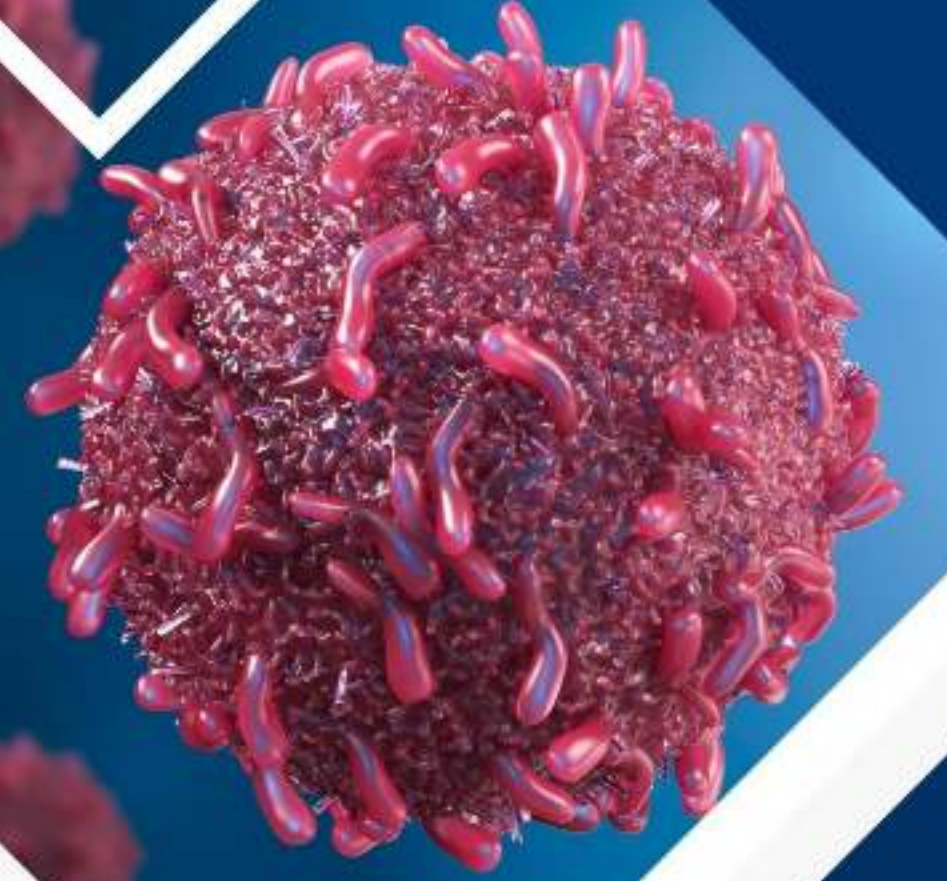
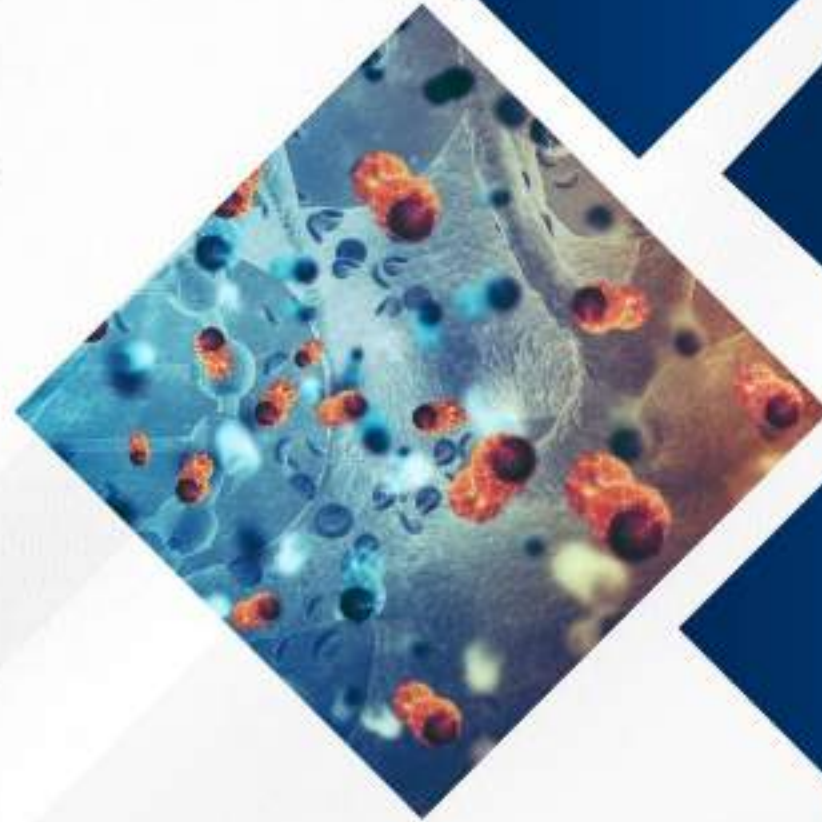


**SIDE
EFFECTS**

कैंसर के बारे में:

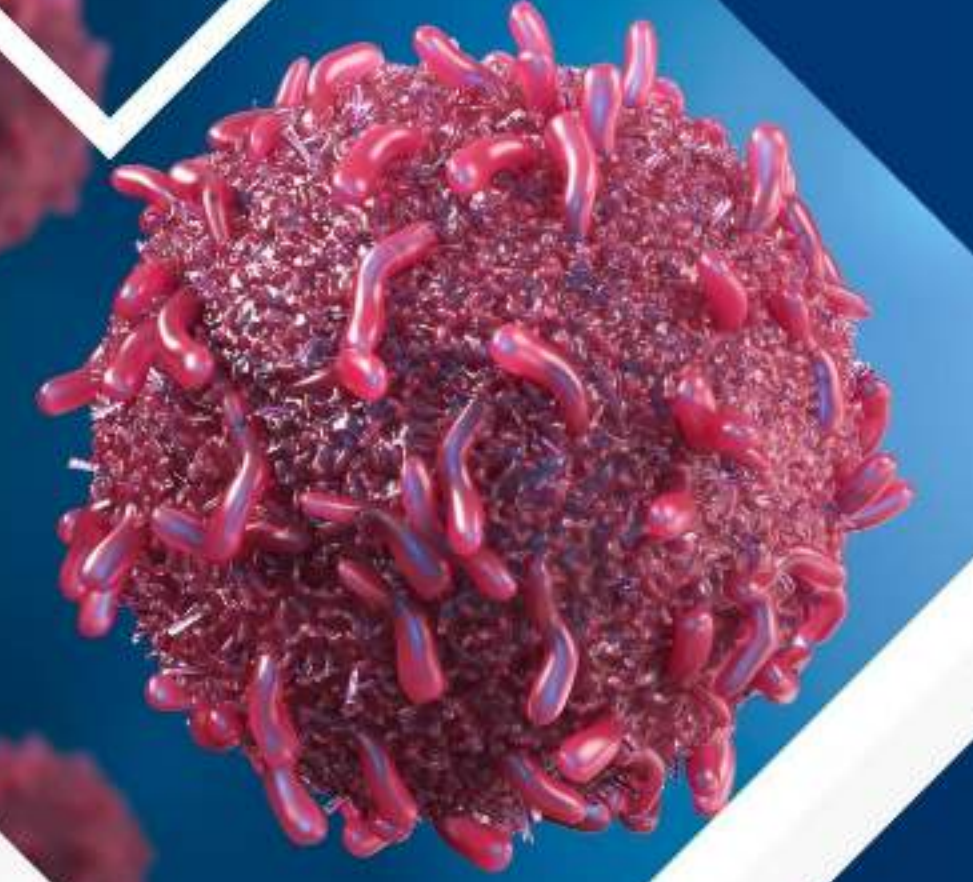
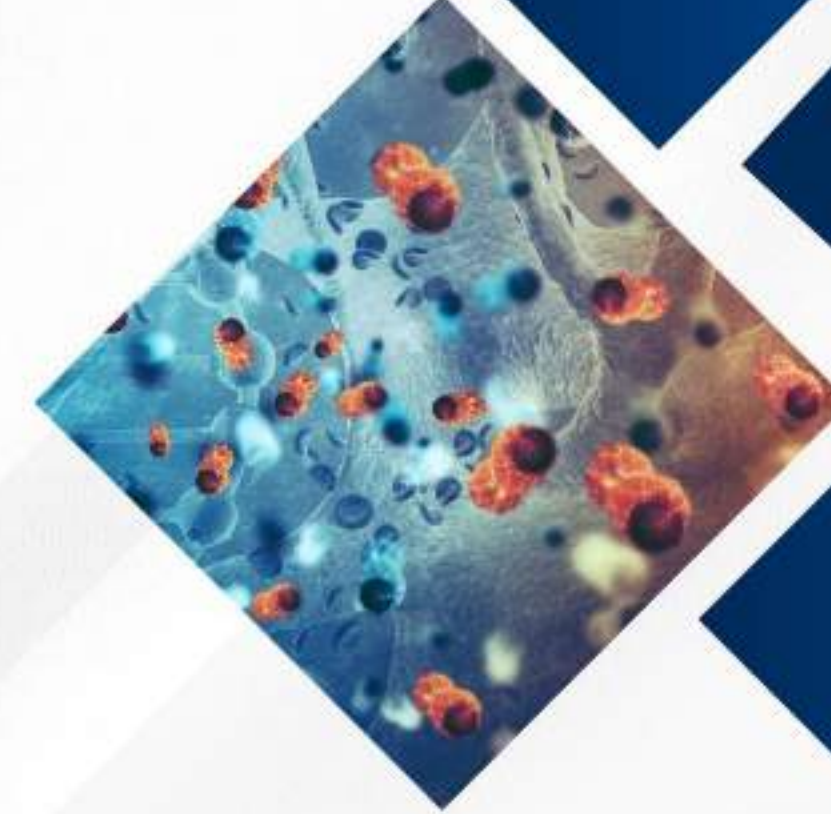
- कैंसर, असामान्य कोशिकाओं के विकास से होने वाली बीमारियों का समूह है.
- कैंसर कोशिकाएं, सामान्य कोशिकाओं की तरह नहीं दिखतीं और नियंत्रण से बाहर बढ़ती रहती हैं.
- कैंसर, शरीर के किसी भी ऊतक से विकसित हो सकता है.
- कैंसर का नाम उस अंग के नाम पर होता है जहां से इसकी शुरुआत हुई थी.

CT
क्यूटेड टोमोग्राफी



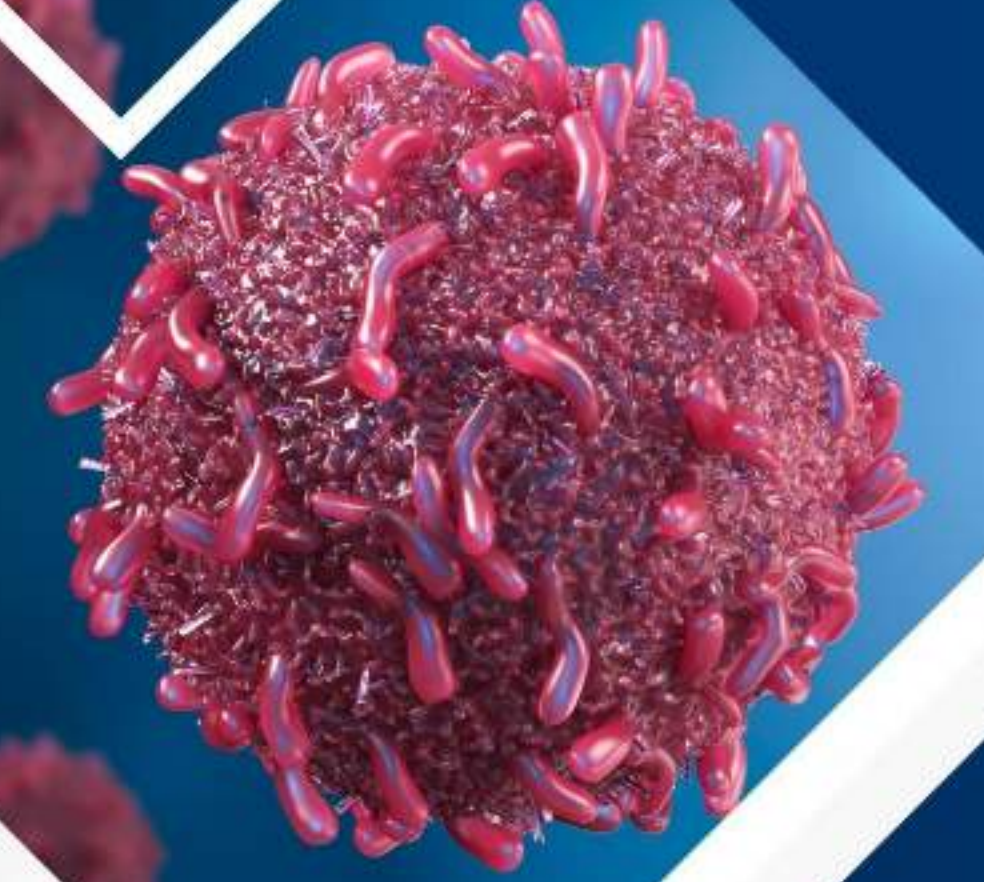
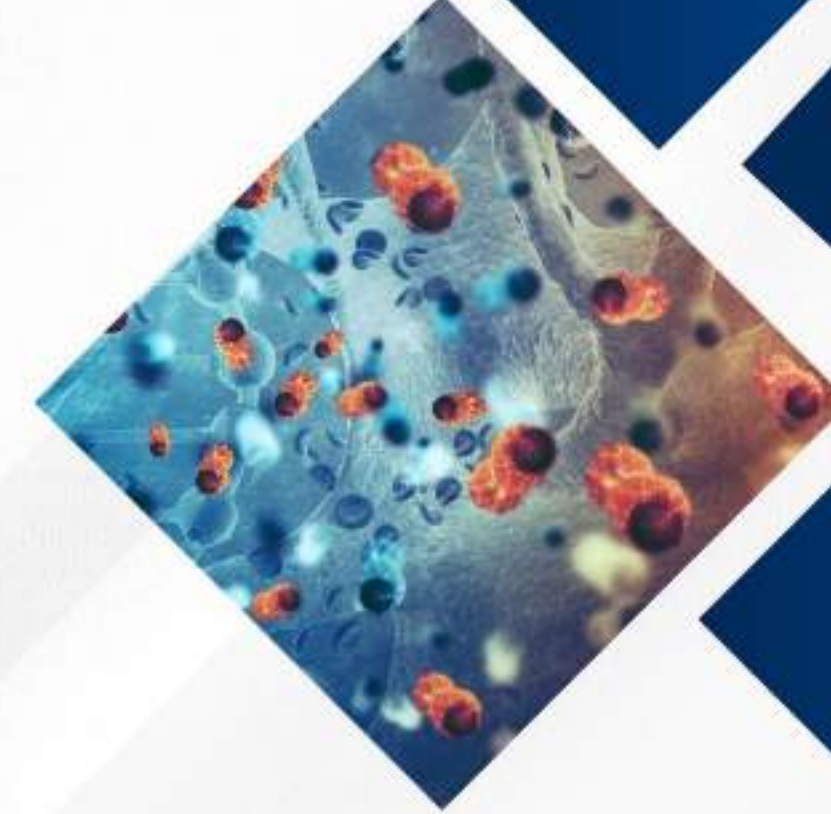
कैंसर के बारे में:

- कैंसर से होने वाली मौतें, दुनिया भर में रुग्णता और मृत्यु दर का प्रमुख कारण हैं.
- कैंसर के इलाज के लिए, रेडियोथेरेपी, कीमोथेरेपी या अन्य दवा उपचार किए जाते हैं.
- कैंसर, सभी आयु वर्ग, सामाजिक-आर्थिक स्तर और जाति के लोगों को प्रभावित कर सकता है.



कैंसर के बारे में:

- कैंसर के विकास का पता लगाने के लिए, कंप्यूटेड टोमोग्राफी (सीटी) स्कैन किया जाता है.
- कैंसर के कारण होने वाली मौतों में से ज़्यादातर मौतें, निम्न और मध्यम आय वाले देशों में होती हैं.
- विटामिन ए की कमी से प्रतिरक्षा प्रणाली कमज़ोर हो जाती है, जिससे कैंसर से बचने में दिक्कत होती है.



CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और सही उत्तर का चयन करें:

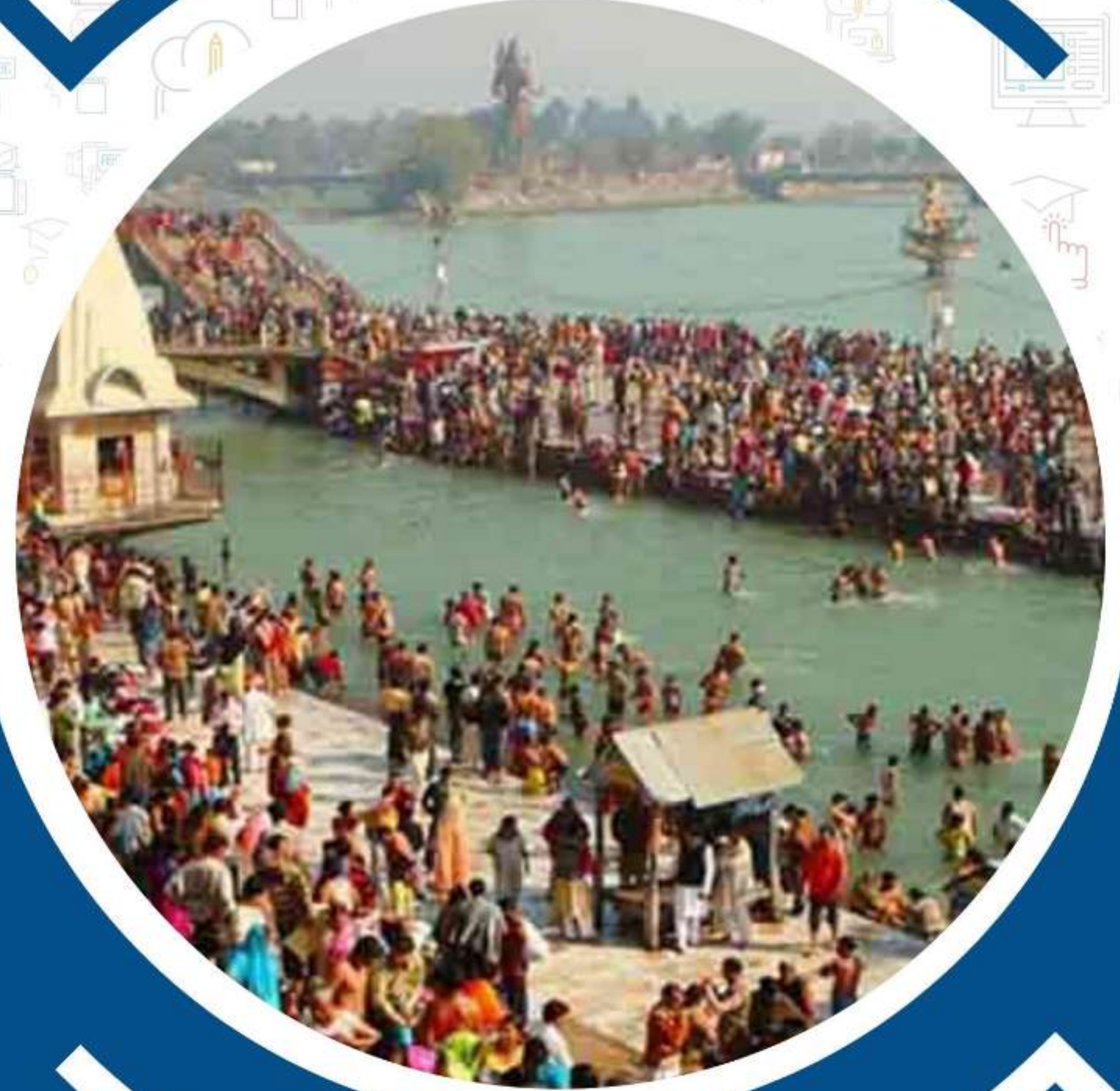
1. इम्यूनोथेरेपी, शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को प्रशिक्षित करके कैंसर कोशिकाओं को लक्षित और नष्ट करती है।
2. कैंसर कोशिकाएं सामान्य कोशिकाओं की तरह नहीं होतीं और नियंत्रण से बाहर बढ़ती रहती हैं।
3. इम्यूनोथेरेपी सभी प्रकार के कैंसर के लिए उपयुक्त है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

- (A) केवल 1 और 2 सही हैं
- (B) केवल 1 और 3 सही हैं
- (C) केवल 2 और 3 सही हैं
- (D) 1, 2 और 3 सभी सही हैं



गंगा और बंगाल की खाड़ी का संगम गंगासागर मेला





- ▶ गंगासागर मेला पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में गंगा और बंगाल की खाड़ी के संगम पर स्थित गंगासागर में प्रतिवर्ष मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित होता है।
- ▶ यह मेला कुंभ मेले के बाद भारत का दूसरा सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन माना जाता है, जहां लाखों श्रद्धालु पुण्य स्नान और कपिल मुनि के आश्रम में दर्शन के लिए एकत्रित होते हैं।





गंगासागर मेला 2025

- ▶ इस वर्ष मकर संक्रांति 14 जनवरी 2025 को पड़ी, और गंगासागर मेले का आयोजन इसी तिथि के आसपास हुआ।
- ▶ प्रशासन ने मेले के सफल आयोजन के लिए विशेष तैयारियां की थीं, जिसमें सुरक्षा, स्वच्छता और यातायात प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया गया।



गंगासागर मेला 2025

- ▶ हालांकि, मेले के दौरान तीन श्रद्धालुओं की दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई, जिनमें से एक की मौत रविवार को और दो की सोमवार सुबह हुई। ये श्रद्धालु राजस्थान से गंगासागर मेले में स्नान करने आए थे।



गंगासागर मेला 2025

श्रद्धालुओं की संख्या:

- ▶ गंगासागर मेले में प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु भाग लेते हैं। इस वर्ष भी लगभग 30 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगासागर में डुबकी लगाई।



गंगासागर मेला 2025

महत्व और इतिहास:

- ▶ गंगासागर का धार्मिक महत्व प्राचीन काल से है। मान्यता है कि यहां स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। कपिल मुनि के आश्रम के कारण यह स्थान और भी पवित्र माना जाता है।
- ▶ गंगासागर मेला सदियों से श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहा है और भारतीय संस्कृति में इसकी विशेष स्थान है।



गंगासागर मेला 2025

सुरक्षा और सुविधाएं:

- ▶ प्रशासन ने मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम किए थे, जिसमें चिकित्सा सेवाएं, आपातकालीन प्रतिक्रिया दल, स्वच्छता अभियान और यातायात नियंत्रण शामिल थे। इसके बावजूद, बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति के कारण कुछ चुनौतियां सामने आईं।



गंगासागर मेला 2025

कैसे पहुंचें गंगासागर:

- ▶ गंगासागर पहुंचने के लिए कोलकाता से बस या ट्रेन द्वारा काकद्वीप तक पहुंचा जा सकता है, जहां से नाव द्वारा गंगासागर द्वीप जाया जाता है। प्रशासन ने मेले के दौरान विशेष परिवहन सुविधाओं की व्यवस्था की थी, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।



गंगासागर मेला 2025

कैसे पहुंचें गंगासागर:

- ▶ गंगासागर मेला भारतीय संस्कृति और धार्मिक आस्था का प्रतीक है, जहां हर वर्ष लाखों श्रद्धालु एकत्रित होकर अपने विश्वास को प्रकट करते हैं। प्रशासन और स्थानीय समुदाय के सहयोग से यह मेला सफलतापूर्वक आयोजित होता है, जो भारतीय धार्मिक आयोजनों में अपनी विशेष पहचान रखता है।



पश्चिम बंगाल के बारे में कुछ रोचक बातें:

- ▶ पश्चिम बंगाल, भारत के पूर्वी भाग में स्थित एक राज्य है.
- ▶ इसकी राजधानी कोलकाता है.
- ▶ यह राज्य जनसंख्या के हिसाब से देश का चौथा सबसे बड़ा राज्य है.
- ▶ क्षेत्रफल के हिसाब से यह राज्य देश का 13वां सबसे बड़ा राज्य है.
- ▶ पश्चिम बंगाल में मुख्य भाषा बंगाली है.



पश्चिम बंगाल के बारे में कुछ रोचक बातें:

- ▶ पश्चिम बंगाल में कई महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल हैं।
- ▶ पश्चिम बंगाल में चावल का उत्पादन सबसे ज़्यादा होता है।
- ▶ पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग चाय का उत्पादन होता है।
- ▶ पश्चिम बंगाल में कई महान हस्तियां पैदा हुई हैं।
- ▶ पश्चिम बंगाल में कई सांस्कृतिक और पारंपरिक गतिविधियां होती हैं।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और सही उत्तर का चयन करें:

1. गंगासागर मेला मकर संक्रांति के अवसर पर पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में गंगा और बंगाल की खाड़ी के संगम पर आयोजित होता है।

2. गंगासागर मेला भारत का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन है।

3. पश्चिम बंगाल में दार्जिलिंग चाय का उत्पादन होता है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

- (A) केवल 1 और 3 सही हैं
- (B) केवल 1 और 2 सही हैं
- (C) केवल 2 और 3 सही हैं
- (D) 1, 2 और 3 सभी सही हैं



भारतीय सेना दिवस और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन युद्धपोत INS सूरत, INS नीलगिरि और INS वाघशीर (सबमरीन) को राष्ट्र को समर्पित किए।





- ▶ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 जनवरी 2025 को मुंबई के नौसेना डॉकयार्ड में तीन प्रमुख नौसैनिक युद्धपोतों—INS सूरत, INS नीलगिरि, और INS वाघशीर—को राष्ट्र को समर्पित किया।





INS सूरत:

- ▶ INS सूरत एक अत्याधुनिक विध्वंसक पोत है, जो भारतीय नौसेना की मारक क्षमता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।
- ▶ यह पोत उन्नत हथियार प्रणालियों और सेंसर से सुसज्जित है, जो इसे समुद्री युद्ध में अत्यधिक प्रभावी बनाते हैं।





INS नीलगिरि:

- ▶ INS नीलगिरि प्रोजेक्ट 17A के तहत निर्मित एक स्टेल्थ फ्रिगेट है, जो रडार से बचने की क्षमता रखता है।
- ▶ यह पोत उन्नत तकनीक और हथियार प्रणालियों से लैस है, जो भारतीय नौसेना की सतह-से-सतह और सतह-से-वायु युद्ध क्षमता को सुदृढ़ करेगा।





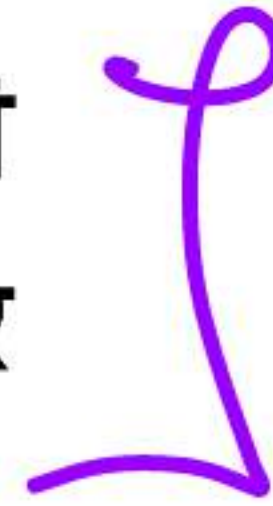
INS वाघशीर:

- ▶ INS वाघशीर एक स्कॉपीन श्रेणी की पनडुब्बी है, जो गुप्त संचालन और दुश्मन के जहाजों को नष्ट करने में सक्षम है। यह पनडुब्बी उन्नत स्टेल्थ फीचर्स और आधुनिक हथियार प्रणालियों से सुसज्जित है, जो भारतीय नौसेना की पनडुब्बी बेड़े की ताकत में वृद्धि करेगी।





- ▶ इन तीनों युद्धपोतों का राष्ट्र को समर्पण भारतीय नौसेना की आत्मनिर्भरता और स्वदेशी रक्षा उत्पादन में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर कहा कि यह उपलब्धि भारत की समुद्री सुरक्षा को मजबूत करेगी और क्षेत्र में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने में सहायक होगी।





- ▶ इस समारोह के दौरान, प्रधानमंत्री ने भारतीय नौसेना के अधिकारियों और कर्मियों की प्रतिबद्धता और समर्पण की सराहना की, जिन्होंने इन युद्धपोतों के विकास और संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- ▶ उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि यह उपलब्धि 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देने के सरकार के संकल्प को दर्शाती है।



- ▶ इन युद्धपोतों के शामिल होने से भारतीय नौसेना की युद्धक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिससे वह समुद्री चुनौतियों का सामना करने और राष्ट्रीय सुरक्षा को सुनिश्चित करने में और भी सक्षम होगी।



भारतीय नौसेना के बारे में:

- ▶ भारतीय नौसेना, देश की समुद्री सीमाओं की रक्षा करती है।
- ▶ यह देश की सैन्य ताकत का अहम हिस्सा है।
- ▶ भारतीय नौसेना के प्रमुख को नौसेना प्रमुख या सीएनएस कहा जाता है।
- ▶ भारतीय नौसेना का आदर्श वाक्य 'शं नो वरुणः' है।
- ▶ भारतीय नौसेना दिवस 4 दिसंबर को मनाया जाता है।





भारतीय नौसेना के बारे में:

- ▶ भारतीय नौसेना के प्रमुख अड्डे मुंबई, गोवा, कारवार, कोच्चि, चेन्नई, विशाखापत्तनम, कोलकाता और पोर्ट ब्लेयर में हैं।
- ▶ भारतीय नौसेना की स्थापना 1830 में हुई थी।
- ▶ भारतीय नौसेना के पहले एडमिरल जॉन रिचर्ड्स थे।
- ▶ भारतीय नौसेना ने 1971 के भारत-पाक युद्ध में पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर किया था।



भारतीय नौसेना के बारे में:

- ▶ भारतीय नौसेना ने आत्म-निर्भरता के लिए स्वदेशीकरण के कठिन मार्ग चुना है।
- ▶ भारतीय नौसेना ने रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन की मदद से पोतों का स्वदेशी निर्माण किया है।

DRDO

CURRENT AFFAIRS QUIZ

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और सही उत्तर का चयन करें:

1. INS सूरत एक अत्याधुनिक विध्वंसक पोत है, जो भारतीय नौसेना की मारक क्षमता को बढ़ाने में सहायक है।
2. INS नीलगिरि प्रोजेक्ट 75 के तहत निर्मित एक स्टेल्थ फ्रिगेट है।
3. भारतीय नौसेना का आदर्श वाक्य "शं नो वरुणः" है।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें:

- (A) केवल 1 और 2 सही हैं
- (B) केवल 1 और 3 सही हैं
- (C) केवल 2 और 3 सही हैं
- (D) 1, 2 और 3 सभी सही हैं



Thank You